

विधान सभा प्रश्न

विभाग का नाम	:	बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा
प्रश्न संख्या तारांकित	:	5161
उत्तर की तिथि	:	15.03.2022
विषय	:	सावड़ा-कुड्डू प्रोजेक्ट
प्रश्नकर्ता का नाम	:	श्री रोहित ठाकुर (जुब्बल-कोटखाई)
सम्बन्धित मन्त्री	:	बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री

	प्रश्न	उत्तर
(क)	सावड़ा-कुड्डू जल विद्युत परियोजना का शिलान्यास कब और किसके द्वारा किया गया था; इस पर कितनी धनराशि व्यय हुई;	<p style="text-align: center;">(क), (ख) एवं (ग) सूचना सभा पटल पर रख दी गई है।</p>
(ख)	इस परियोजना से बिजली उत्पादन कब प्रारम्भ हुआ और सरकार को इस परियोजना से कितनी आय प्राप्त हुई; और	
(ग)	इस प्रोजेक्ट की डी0पी0आर0 के अनुसार कितनी बिजली उत्पादन की क्षमता है और गत एक वर्ष से कितने मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ; यदि कम हुआ तो इसके कारण सहित ब्यौरा दें?	

तारांकित विधान सभा प्रश्न संख्या: 5161 जो कि श्री रोहित ठाकुर (जुबल-कोटखाई) द्वारा सावड़ा-कुड्डू प्रोजेक्ट बारे पूछा गया है एवं दिनांक 15.03.2022 को उत्तर के लिए निर्धारित हुआ है, से सम्बन्धित सूचना:-

- (क) सावड़ा-कुड्डू जल विद्युत परियोजना का शिलान्यास 19 जून, 2005 को माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री वीरभद्र सिंह द्वारा श्रीमती विद्या स्टोक्स माननीय पूर्व बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री, हिमाचल प्रदेश और श्री रोहित ठाकुर माननीय पूर्व विधायक, जुबल कोटखाई की उपस्थिति में किया गया। इस परियोजना पर ₹ 2186 करोड़ धनराशि व्यय हुई।
- (ख) इस परियोजना से बिजली का उत्पादन 21 जनवरी, 2021 को प्रारम्भ हुआ और सरकार को इस परियोजना से 8 फरवरी, 2022 तक ₹ 132.55 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है जिसमें से एच0पी0पी0सी0एल0 को ₹ 115.32 करोड़ और राज्य सरकार को लगभग ₹ 17.23 करोड़ की आय प्राप्त हुई।
- (ग) इस प्रोजेक्ट की डी0पी0आर0 के अनुसार बिजली उत्पादन की क्षमता 385.78 मिलियन यूनिट है और पिछले एक वर्ष (09.02.2021 से 08.02.2022) में 306.87 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। नदी में डी0पी0आर0 प्रावधान की तुलना में पानी के कम डिसचार्ज के कारण बिजली का उत्पादन कम हुआ है।

सावड़ा-कुड्डू जल विद्युत परियोजना की डी0पी0आर0 वर्ष 2004 में स्वीकृत की गई थी जो कि 1978 से 2001 के आंकड़ों पर आधारित है। वर्ष 2021 में प्रोजेक्ट चलाने के उपरान्त यह पाया गया की परियोजना के जलग्रहण क्षेत्रों में उपभोग्य उपयोग (Consumptive use) कम वर्षा इत्यादि कारणों से नदी का डिसचार्ज डी0पी0आर0 के आंकड़ों की अपेक्षा कम हो गया है जिसके कारण भी बिजली का उत्पादन कम हुआ।
